भाकृअनुप
ICAR

खरपतवार समाचार

(भाकृअनुप - खरपतवार अनुसंधान निदेशालय का अर्धवार्षिक समाचार-पत्र)

WEED NEWS

(A Half-Yearly Newsletter of ICAR - Directorate of Weed Research)

जुलाई-दिसम्बर, 2022
खंड 22, क्रमांक 02

July-December, 2022
Vol. 22, No.02

विषय सूची
Contents

निदेशक की कलम से / From Director's Desk 1

अनुसंधान उपलब्धियाँ / Research Achievements 2-4

तीन तरफा असरकारक शाकनाशी द्वारा गन्ने में खरपतवार प्रबंधन
Weed management in sugarcane using three-way herbicide 2

अलसी में रासायनिक खरपतवार प्रबंधन
Chemical weed management in linseed 2

छत्तीसगढ़ के मरवाही जंगल में लेंटाना कैमारा उन्मूलन का मृदा की कुल सुक्ष्मजीवी गतिविधि पर प्रभाव
Effect of *Lantana camara* removal on total microbial activity in soils of Marwahi forest, Chhattisgarh 3

पंचकुटा के बीज की गहराई का उसके अंकुरण पर प्रभाव
Effect of burial depth on seedling emergence of *Physalis minima* from seeds 3

सूखा तनाव के तहत गुल्लीडंडा और जंगली मेथी के खिलाफ शाकनाशियों की प्रभावकारिता
Efficacy of herbicides against *Phalaris minor* and *Medicago polymorpha* under drought stress 4

इमाजेथापायर प्रतिरोधी और संवेदनशील जंगली चावल के बायोटाइप में एएलएस एंजाइम गतिविधि का अनुमान
Estimation of ALS enzyme activity in imazethapyr resistant and susceptible biotypes of jungle rice 4

आयोजित कार्यक्रम / Programmes organized 5

समीक्षा बैठक / Review Meeting 13

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की गतिविधियां / Activities of Rajbhasha Karyanvayan Samiti 13

विशिष्ट आगंतुक / Distinguished visitors 14

मानव संसाधन विकास / Human Resource Development 14

पुरस्कार एवं सम्मान/Awards and Recognitions 16

सामान्य खरपतवार
Common Weeds

फिजलिस मिनिमा *Physalis minima*

लेंटाना कैमारा *Lantana camara*

निदेशक की कलम से
From Director's Desk

भा.कृ.अनु.प.-खरपतवार अनुसंधान निदेशालय की ओर से बधाई

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2023 को "अतंर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष" घोषित किया गया है। विश्व के कुल पोषक अनाज उत्पादन में 15% की भागीदारी के साथ भारत अग्रणी देश हैं। हमारे देश में कई तरह के पोषक अनाज जैसे– ज्वार, बाजरा, रागी, संवा, चीना, कोदो, कुटकी एवं कंगनी की खेती की जाती है। लेकिन इनकी औसत पैदावार काफी कम है। खरीफ मौसम की फसल होने के कारण मोटे अनाजों में घास कुल के खरपतवार जैसे जानसन घास, संवा, कोदो, पेनिकम, सिटेरिया आदि के साथ–साथ चौड़ी पत्ती वाले तथा मोथा कुल के खरपतवार 15–83% तक फसल की पैदावार को कम कर देते है। मिलेट्स के साथ समानता एवं शाकनाशी रसायनों की कम प्रभाव शीलता के कारण इन फसलों में घास कुल के खरपतवारों का प्रबंधन प्रमुख समस्या हैं। भा.कृ.अनु.प.–खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर, अखिल भारतीय समन्वित खरपतवार अनुसंधान केंद्रो के साथ मिलकर मोटे अनाज की फसलों में एकीकृत खरपतवार प्रबंधन तकनीक के विकास पर अनुसंधान कार्य कर रहा हैं। जिससे खरपतवारों द्वारा होने वाली हानि को कम करके इन फसलों की उपज एवं उत्पादन बढ़ाया जा सकें।

जुलाई से दिसम्बर, 2022 के दौरान निदेशालय द्वारा शोध, प्रसार एवं क्षमता निर्माण की दिशा में सराहनीय प्रयास किया गया। गन्ने में तीन तरफा असरकारक शाकनाशी (2,4–डी मेट्रीब्यूजिन + पायराजोसल्फ्यूरान) के प्रयोग से खरपतवारों पर प्रभावी नियंत्रण के साथ पैदावार में 32% की वृद्धि पायी गई। अलसी की फसल में चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों की रोकथाम के लिए प्रभावी शाकनाशियों का मूल्यांकन किया गया। पंचकुटा (*फाइसैलिस मिनिमा*) खरपतवार का बीज जमीन में 3 से.मी. की गहराई से 28 दिनों तक उगने की क्षमता रखता है। जंगलो में लैंटाना खरपतवार के कारण भूमि में जीवाणुओं की संख्या में कमी पाई गई। संवा खरपतवार की इमाजेथापायर सहिष्णु एवं संवेदनशील प्रजातियों में इमाजेथापायर की विभिन्न मात्राओं का ए.एल.एस. एन्जाइम की गतिविधियों में कोई परिवर्तन नही पाया गया। जिससे यह सिद्ध होता है कि संवा में इस रसायन के प्रति सहिष्णुता अलग ए.एल.एस. जीन व्यवहार के कारण नही हैं।

निदेशालय द्वारा इस अवधि के दौरान प्रशिक्षण एवं प्रक्षेत्र भ्रमण, गाजरघास जागरूकता सप्ताह, हिंदी पखवाड़ा, सर्तकता जागरुकता पखवाड़ा, विश्व मृदा दिवस, तृतीय अतंर्राष्ट्रीय खरपतवार सम्मेलन, स्वच्छता पखवाड़ा एवं संस्थान प्रबंधन समिति की बैठक आदि कार्यक्रम आयोजित किए गये। इसके अतिरिक्त किसानों, वैज्ञानिकों एवं अन्य हितग्राहियों के लाभ के लिए प्रशिक्षण एवं व्याख्यान की श्रृंखला आयोजित की गई। इस अवधि के दौरान निदेशालय के वैज्ञानिकों को पुरस्कार एवं सम्मान भी प्राप्त हुये। मैं खरपतवार समाचार के इस अंक के समय से प्रकाशन के लिए संपादक मंडल एवं अन्य योगदान कर्त्ताओं को धन्यवाद देता हूं।

Greetings from ICAR-DWR

The year 2023 has been declared as the 'International Year of Millets' by the United Nations. India is the global leader in production of millets with a share of around 15% of the world total production. A variety of millets viz. sorghum (*Sorghum bicolor* L.), pearl millet (*Pennisetum glaucum* L.), finger millet (*Eleusine coracana* L.), barnyard millet (*Echinochloa frumentacea* L.), proso millet (*Panicum miliaceum* L.), kodo millet (*Paspalum scrobiculatum* L.), little (Kutki) millet (*Panicum sumatrense*) and foxtail millet (*Setaria italica* L.), are grown in India. However, the average productivity of these crops is very low. Being rainy season crops, these are infested with 'difficult- to-control' grassy weeds (*Sorghum halepens, Eleusine indica, Echinochloa colona/crus-galli, Panicum repens, Paspalidium flavidum, Setaria glauca*, etc.) as well as many broad-leaved weeds and sedges, reducing the crop yields by 15-83%. The management of these grassy weeds in millets is very difficult due to crop mimicry and non-availability of selective herbicides. Therefore, efforts are being made by the ICAR-Directorate of Weed Research, Jabalpur and its coordinating centres to develop integrated weed management technologies to reduce crop losses due to weeds, and increase the productivity and production of millets.

During July to December, 2022, the Directorate has made sincere efforts to strengthen the research, extension and capacity building activities. Three-way application of herbicide (2,4-D + metribuzin + pyrazosulfuron) in sugarcane resulted in excellent weed control and 32% increase in cane yield. The promising herbicides for broad-leaved weed control in linseed have been evaluated. The *Physalis minima* seedlings emerged up to 28 days from 3 cm soil depth. Infestation of *Lantana camara* in the forest ecology reduces the microbial activity in soil. The activity of ALS enzyme in imazethapyr-resistant and -susceptible biotypes of *Echinochloa colona* did not vary by different doses of imazethapyr, indicating that the imazethapyr resistance in *E. colona* is not due to differential ALS gene expression.

Many events such as Trainings and Field visits, Parthenium Awareness Week, Hindi Pakhawara, Vigilance Awareness Week, World Soil Day, 3rd International Weed Conference, Swachhata Pakhawara, IMC meeting, etc. were organized. Further, a series of training programmes and extension lectures were also organized for the benefit of the farmers, scientists and other stakeholders. Many awards and recognitions were received by the Directorate during the period. I thank the Editorial Board and other contributors for their sincere efforts in bringing out this Newsletter timely.

अनुसन्धान उपलब्धियाँ / Research achievements

तीन तरफा असरकारक शाकनाशी द्वारा गन्ने में खरपतवार प्रबंधन

वी.के. चौधरी

गन्ना एक लंबी अवधि की फसल है। व्यापक पंक्ति अंतराल, प्रारंभिक धीमी वृद्धि और लगातार सिंचाई, खरपतवारों के कई फ्लश में उद्भव के लिए अनुकूलता प्रदान करती है और गन्ने की उपज को 10–70% तक कम कर देती है। अधिकांश किसान खरपतवार नियंत्रण के लिए एट्राजीन की 1.5–2.0 किलोग्राम/हेक्टेयर (अंकुरण पूर्व) का उपयोग करते हैं, इसके पश्चात व्यापक खरपतवार नियंत्रण के लिए गुड़ाई और मिटटी की चढ़ाई करते हैं। मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले में किसानों के खेतों में किए गए प्रयोग के परिणामों से संकेत मिलता है कि तीन–तरफा शाकनाशी (2,4–डी सोडियम साल्ट + मेट्रिबुजिन + पाइराज़ोसल्फ्यूरॉन – एथिल) के 2.40 किग्रा/हेक्टेयर जिसका वाणिज्यिक फॉर्मूलेशन (ट्रीस्केल और त्रिशुक) के 3.0 किग्रा / हेक्टेयर के उपयोग ने लंबी अवधि के लिए उत्कृष्ट खरपतवार नियंत्रण (>95%) प्रदान किया और किसान द्वारा अपनाई गई विधि की तुलना में 32% अधिक गन्ना उपज (110 टन /हेक्टेयर) प्रदान की।

Unweeded control

Weed management in sugarcane using three-way herbicide

V.K. Choudhary

Sugarcane is a long-duration crop. Wider row spacing, initial slow growth and frequent irrigation facilitate the weed emergence in several flushes and reduce the cane yield by 10-70%. Majority of the farmers uses atrazine at 1.5-2.0 kg /ha as pre-emergence followed by intercultivation and earthing-up for broad-spectrum weed control. Results of an experiment conducted at farmer's fields in Narsinghpur district of Madhya Pradesh indicated that application of three-way herbicide (2,4-D sodium salt + metribuzin + pyrazosulfuron-ethyl at 2.40 kg /ha with commercial formulations (Triskale and Trishuk) of 3.0 kg/ha provided excellent weed control (>95%) for a longer period and 32% more cane yield (110 t/ha) as compared to farmer's practice.

2,4-D sodium salt + metribuzin + pyrazosulfuron-ethyl at 2.40 kg /ha

अलसी में रासायनिक खरपतवार प्रबंधन

वी.के. चौधरी एवं मुनि प्रताप साहू

अलसी के उत्पादन में खरपतवार प्रमुख बाधाओं में से एक है। इससे उपज की औसत हानि 20–45% के बीच होती है। अलसी उत्पादकों द्वारा पेंडिमेथालिन 1.00 किलोग्राम/ हेक्टेयर (पूर्व–उद्भव के रूप में) सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला शाकनाशी है। हालांकि, बाद में उगने वाले चौड़ी–पत्ती के खरपतवार प्रमुख चिंता का विषय है जो अलसी के विकास और उपज को सीमित करते हैं। प्रारंभिक अध्ययनों से पता चला है कि क्लोडिनाफॉप + मेटसल्फ्यूरॉन 60+4 ग्राम/हेक्टेयर (प्री मिक्स), टोप्रामेज़ोन 25.2 ग्राम/हेक्टेयर, मेटसल्फ्यूरॉन 4 ग्राम/हेक्टेयर और इमाज़ेथापायर 100 ग्राम/हेक्टेयर को बुवाई के 20 दिनों के बाद अनुप्रयोग ने व्यापक खरपतवार नियंत्रण, उच्च बीज उपज के साथ अधिक लाभप्रद था।

Chemical weed management in linseed

V.K. Choudhary and Muni Pratap Sahu

Weeds are one of the major production constraints in linseed production. On average yield loss range between 20-45%. Pendimethalin at 1.00 kg/ha as pre-emergence is the most commonly used herbicide by linseed growers. However, the later flush of weeds, especially broad-leaved weeds are of major concern that limits the growth and yield of linseed. Preliminary studies have indicated that premix application of clodinafop+metsulfuron at 60+4 g/ha, topramezone 25.2 g/ha, metsulfuron 4 g/ha and imazethapyr 100 g/ha at 20 days after sowing provided broad spectrum weed control, higher seed yield and profitable.

छत्तीसगढ़ के मरवाही जंगल में *लेंटाना कैमरा* उन्मूलन का मृदा की कुल सुक्ष्मजीवी गतिविधि पर प्रभाव

हिमांशु महावर, अजिन शेखर, दिग्विजयसिंह राठौड़ एवं आनंद सैयम

खरपतवार हटाने के प्रयोग खरपतवार के प्रभाव, प्रबंधन तकनीकों को मान्य करने और जैव विविधता को बनाए रखने के साधनों का प्रदर्शन करने के लिए पुख्ता प्रमाण प्रदान करते हैं। *लैंटाना कैमरा* की आक्रामक विदेशी प्रजातियों ने छत्तीसगढ़ के प्रमुख और उप–वन प्रकारों पर आक्रमण किया है। *लैंटाना कैमरा* को छत्तीसगढ़ के मरवाही जंगल में जड़–उन्मूलन विधि के माध्यम से हटाया गया था। लैंटाना उपचारित और अनुपचारित क्षेत्रों पर मिट्टी के स्वास्थ्य का आंकलन मिट्टी की सतह (0–15 सेमी) और उपसतह (15–30 और 30–45 सेमी) में कुल सुक्ष्मजीवी डीकंपोजर गतिविधि की मात्रा माप कर किया गया। सभी सुक्ष्मजीवी गतिविधि को फ्लोरेसिन–डायसेटेट (एफडीए) द्वारा मापा गया था, जो मिट्टी के माइक्रोबियल अपघटन का एक सूचक है और जैव–रासायनिक चक्र के उचित कार्य के लिए एक महत्वपूर्ण घटक है। कुल सुक्ष्मजीवी गतिविधि को फ्लोरेसिन–डायसेटेट परख (एफडीए) द्वारा मापा गया, जो मिट्टी के सुक्ष्मजीवी अपघटन का एक संकेतक है और जैव–भूरासायनिक चक्र के उचित कार्य प्रणाली के लिए एक महत्वपूर्ण अवयव है। उपचारित मिट्टी की तुलना में अनुपचारित मिट्टी में एफडीए हाइड्रोलाईसिस 2–18% अधिक था। उच्चतम हाइड्रोलाईसिस मिट्टी की उपसतह परत (15–30 सेमी) में देखा गया था।

Effect of *Lantana camara* removal on total microbial activity in soils of Marwahi forest Chhattisgarh

Himanshu Mahawar, Ajin Sekhar, Digvijaysinh Rathod and Anand Saiyam

Weed removal experiments provide strong evidence for weed impacts, validating management techniques and demonstrating the means by which biodiversity can be maintained. The invasive alien species of *Lantana camara*, has invaded Chhattisgarh's major and sub-forest types. *L. camara* was removed through the uprooting method in the Marwahi forest of Chhattisgarh, and its impact on soil health in surface (0-15 cm) and subsurface (15-30 and 30-45 cm) layers was assessed by quantifying the activity of soil microbial decomposers at Lantana treated and untreated sites. Total microbial activity was measured by fluorescein-diacetate assay (FDA), an indicator of soil microbial decomposition and an important component for the appropriate functioning of biogeochemical cycling. The FDA hydrolysis was 2-18% higher in untreated than treated soil. The highest hydrolysis was observed in the subsurface layer of soil (15-30 cm).

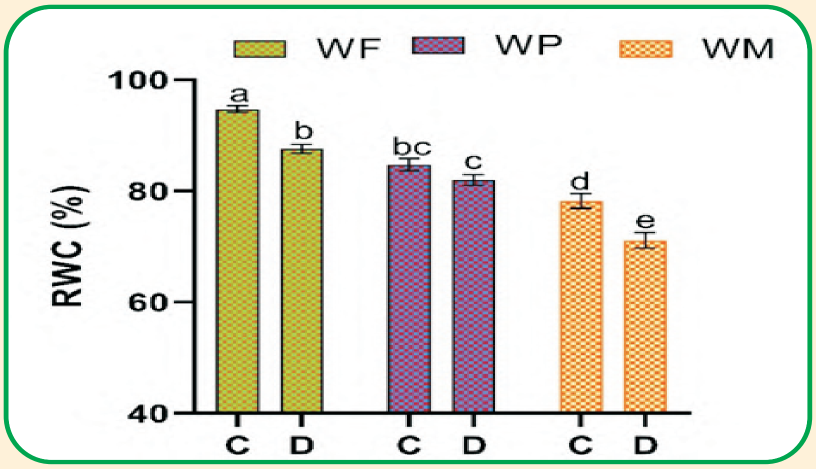

Fig. Fluorescein-diacetate hydrolysis activity in Lantana treated and untreated soils

पंचकुटा के बीज की गहराई का उसके अंकुरण पर प्रभाव

पिजुश कान्ति मुख़र्जी

खरपतवार जीवविज्ञान अध्ययन में पंचकुटा के अंकुरण पर मिट्टी में उसके बीजों की गहराई के प्रभाव का मूल्यांकन करने से पता चला कि मिट्टी की प्रोफाइल में 3 सेमी की गहराई तक लंबवत वितरित किए गए बीज 28 दिनों के भीतर अंकुरित हुए। 18वें और 20वें दिन में क्रमशः 1 और 2 सेमी की गहराई से 100 प्रतिशत अंकुरण दर्ज किया गया, एवं 28वें दिन, मिट्टी की 0 और 3 सेमी की गहराई से क्रमशः 64 और 9 प्रतिशत अंकुरण दर्ज किया गया। मिट्टी की 3 सेमी गहराई पर बीजों में प्रसुप्तता आई, और 87वें दिन मिट्टी को उलटने के परिणामस्वरूप 134वें दिन तक अतिरिक्त 51 प्रतिशत उद्भव हुआ (मिट्टी की 3 सेमी गहराई से कुल 60% उद्भव हुआ)।

Effect of burial depth on seedling emergence of *Physalis minima* from seeds

Pijush Kanti Mukherjee

Weed biology studies to evaluate the effect of weed seeds' burial depth on *Physalis minima* seedling emergence revealed that seedlings emerged within 28 days from the seeds that were distributed vertically up to the depth of 3 cm in the soil profile. 100% emergence was recorded from 1 and 2 cm depth on the 18th and 20th day, respectively, and 64% and 9% emergence were recorded from 0 and 3 cm soil depth, respectively, on the 28th day. Seeds at 3 cm soil depth have undergone enforced dormancy, and turning the soil on the 87th day resulted in additional 51% emergence on 134th day (a total of 60% emergence from 3 cm soil depth).

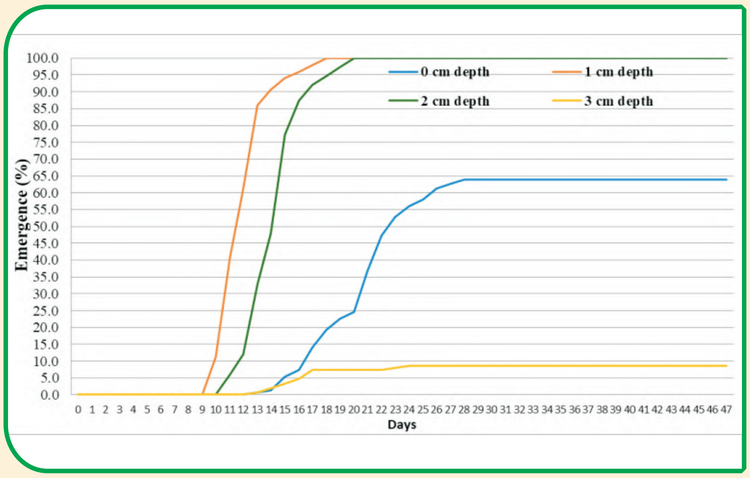

सूखा तनाव के तहत गुल्लीडंडा और जंगली मेथी के खिलाफ शाकनाशियों की प्रभावकारिता

दसारी श्रीकांत, दीपक विश्वनाथ पवार और शोभा सोंधिया

रबी 2021–22 के दौरान गेहूं में गुल्लीडंडा और जंगली मेथी के खिलाफ सूखे के तनाव के प्रभाव पर शाकनाशी [क्लोडिनाफॉप (60 ग्राम/हेक्टेयर) + मेट्सल्फ्यूरॉन (4 ग्राम/हेक्टेयर)] के प्रभावकारिता के प्रभाव पर एक प्रयोग किया गया। अध्ययन के निष्कर्षों से पता चला कि खरपतवार मुक्त गेहूं में नियंत्रण की तुलना में सूखे के तहत उपज में 33.94% की कमी आई। खरपतवार हस्तक्षेप ने आरडब्ल्यूसी, एमएसआई और कुल क्लोरोफिल मात्रा जैसे मापदंडों को बदल दिया जो कि सूखे के तहत कम पाया गया। सूखे के तहत खरपतवार के हस्तक्षेप से फिनोल और प्रोलीन की मात्रा महत्वपूर्ण थी। पानी की कमी वाले वातावरण में जंगली मेथी एक प्रमुख समस्याग्रस्त खरपतवार बन जाएगा (चित्र)।

Efficacy of herbicides against *Phalaris minor* and *Medicago polymorpha* under drought stress

Dasari Sreekanth, Deepak Vishwanath Pawar and Shobha Sondhia

An experiment was conducted on the effect of drought stress on herbicide efficacy [clodinafop (60 g ai/ha) + metsulfuron (4 g ai/ha)] against *P. minor* and *M. polymorpha* in wheat during *Rabi* 2021-22. The findings of the study revealed that in weed-free wheat, the yield was significantly reduced by 33.94% under drought, compared to control. The effect of herbicide was reduced under drought compared to ambient. Weed interference altered the physiological parameters like RWC, MSI and total chlorophyll content, and was found to be lowered under drought. The content of phenol and proline was significantly by weed interference under drought. *M. polymorpha* will become a major problematic weed in a water scarcity environment.

Fig. Effect of drought stress on herbicide efficacy

इमाज़ेथापायर प्रतिरोधी और संवेदनशील जंगली धान के बायोटाइप में एएलएस एंजाइम गतिविधि का अनुमान

दीपक विश्वनाथ पवार, दसारी श्रीकांत और शोभा सोंधिया

जंगली धान के प्रतिरोधी और संवेदनशील बायोटाइप के बीज को 20 सेमी व्यास और 22 सेमी ऊंचाई के प्लास्टिक के गमलों में बोया गया। 4–5 पत्ती अवस्था वाले जंगली धान के पौधों को 100, 200 और 400 ग्राम/हेक्टेयर की दर से इमेजेथापायर शाकनाशी से उपचारित किया गया। जंगली धान के प्रतिरोधी और संवेदनशील बायोटाइप की पत्तियों से एएलएस एंजाइम बायोएस्से किया गया। एएलएस एंजाइम गतिविधि मूल्यों को बोवाइन सीरम एल्ब्यूमिन (बीएसए) की मात्रा द्वारा मानकीकृत किया गया, जिसे ब्रैडफोर्ड विधि द्वारा निर्धारित किया गया था, और प्रति मिलीग्राम प्रोटीन (एंजाइम); (µmol·min-1·mg) के ऊष्मायन के प्रति मिनट उत्पादित एसीटोन की मात्रा का अवलोकन किया गया। जंगली धान–प्रतिरोधी और संवेदनशील बायोटाइप्स में इमेजेथापायर की विभिन्न मात्रा के उपचार से एएलएस एंजाइम गतिविधि प्रभावित नहीं हुई।

Estimation of ALS enzyme activity in imazethapyr resistant and susceptible biotypes of jungle rice

Deepak Vishwanath Pawar, Dasari Sreekanth, and Shobha Sondhia

Seeds of resistant and susceptible biotypes of jungle rice (*Echinochloa colona*) were sown in plastic pots of 20 cm diameter and 22 cm height. The 4-5 leaf stage plants were treated with herbicide imazethapyr at 100, 200 and 400 g/ha. The ALS enzyme bioassay from the leaves of resistant and susceptible biotypes of *E. colona* was carried out. ALS enzyme activity values were standardized by the concentration of bovine serum albumin (BSA), quantified by the Bradford method, and expressed by the amount of acetoin produced per minute of incubation per milligram of protein (enzyme) (µmol·min-1·mg-1 protein), determined by the standard curve of acetoin. It was observed that the ALS enzyme activity was not affected by applying different doses of imazethapyr in *E. colona*-resistant and susceptible biotypes.

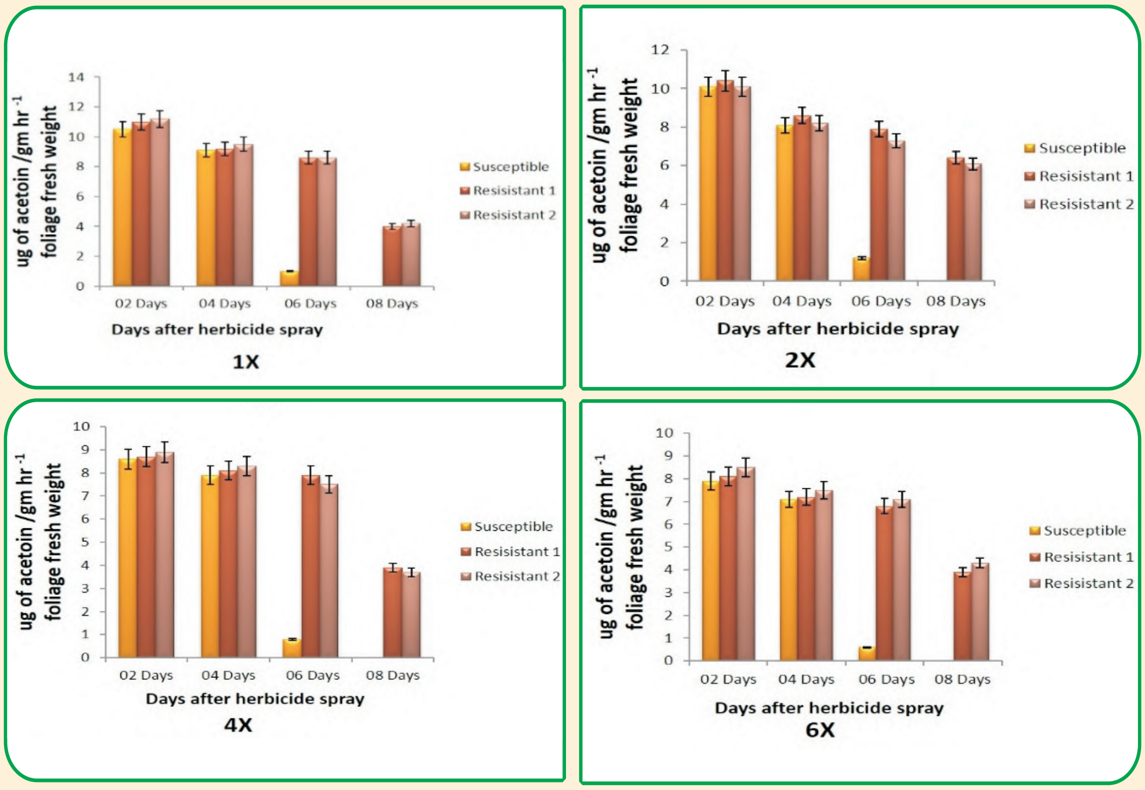

Fig. ALS enzyme activity in imazethapyr resistant and susceptible biotypes of *E. colona* at the two-leaf stage treated with different doses of imazethapyr

आयोजित कार्यक्रम / Programmes organized

गाजरघास जागरूकता सप्ताह

भा.कृ.अनु.प.–खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर ने 16–22 अगस्त 2022 तक पूरे देश में गाजरघास जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए, जिसमें भा.कृ.अनु.प. संस्थान, राज्य कृषि विश्वविद्यालय, कृ.वि.के., गैर सरकारी संगठन, नगर पालिकाएं, स्कूल, राज्य सरकार के विभाग और अन्य संगठन शामिल थे। कई गति विधियां जैसे जागरूकता कार्यक्रम, रैलियां, पार्थेनियम को उखाड़ना, फोटो प्रदर्शनी, कार्यशालाएं, प्रशिक्षण, जैव नियंत्रण एजेंट जाइगोग्रामा बाइकोलाराटा का छोड़ना और वितरण आदि शामिल था। सीआरपीएफ मोकामा, पटना (बिहार) तथा रिलायंस फाउंडेशन के सहयोग से मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के किसानों के साथ लाइव संवाद के साथ एक ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस सप्ताह के दौरान, किसानों को फसल की पैदावार, मानव और पशु स्वास्थ्य और जैव विविधता पर गाजरघास के दुष्प्रभावों के बारे में भी जागरूक किया गया। भिडारीकला बड़ौदा गांव में एक कार्यक्रम किया गया जिसमें आसपास के गांवों के लगभग 200 किसानों ने भाग लिया।

फार्मर फर्स्ट प्रोग्राम के तहत चयनित ग्रामों में साइट समिति की बैठक

जबलपुर जिले के चयनित बड़ौदा और उमरिया चौबे गांव में 30 अगस्त 2022 को फार्मर फर्स्ट कार्यक्रम के तहत वैज्ञानिकों और किसानों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों के साथ विभिन्न मॉड्यूल पर चर्चा करना और उनकी समस्याओं को हल करने के लिए भविष्य की कार्य योजना तैयार करना था। कार्यक्रम के प्रधान अन्वेषक डॉ पी. के. मुखर्जी ने खरपतवार नियंत्रण में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न नोजल के बारे में जानकारी प्रदान की, डॉ वीके चौधरी ने विभिन्न फसलों में खरपतवार प्रबंधन के बारे में चर्चा की। डॉ योगिता घरडे ने मशरूम की खेती के माध्यम से अतिरिक्त आय अर्जित करने की जानकारी दी, और कृषि में महिलाओं की भागीदारी के बारे में चर्चा की। डॉ. दीपक पवार ने अतिरिक्त कृषि आय उत्पन्न करने के लिए खेतों के खाली मेड़ों पर फलदार पेड़, सब्जियां और फूल लगाने पर जोर दिया। बैठक में कुल 85 किसानों ने भाग लिया।

Parthenium Awareness Week

The ICAR-Directorate of Weed Research, Jabalpur organized Parthenium Awareness Programmes from 16-22 August 2022 throughout the country involving ICAR institutions, State Agricultural Universities, KVKs, NGOs, municipalities, schools, state government departments, and others organizations. Several activities viz., awareness programmes, rallies, uprooting of Parthenium, photo exhibitions, workshops, training, release and distribution of biocontrol agent *Zygograma bicolorata*, etc. CRPF Mokama, Patna (Bihar), An online programs with live interaction with farmers from Madhya Pradesh, Bihar, Uttar Pradesh, Rajasthan, and Chhattisgarh was also organized in collaboration with Reliance Foundation. During the week, farmers were also made aware of the ill effects of Parthenium on crop yields, human and animal health, and biodiversity. A programme was organized at Bhidarikala Baroda village in which about 200 farmers from nearby villages participated.

Site Committee Meeting under Farmer First Programme in adopted villages

A joint meeting of scientists and farmers under the Farmer First Program was organized on August 30, 2022 in selected Baroda and Umaria Choubey villages of Jabalpur district. The main objective of this program was to discuss various modules with the farmers and prepare future action plans to solve their problems. Dr. P. K. Mukherjee, the PI of the programme provided information about different nozzles used in weed control, Dr. V.K. Choudhary talked about weed management in different crops. Dr. Yogita Gharde informed about earning additional income through mushroom cultivation, and discussed about women's participation in agriculture. Dr. Deepak Pawar emphasized on planting fruit trees, vegetables and flowers on the vacant bunds of the fields to generate additional farm income. Total 85 farmers participated in the meeting.

हिंदी दिवस

निदेशालय में 14 सितंबर, 2022 को हिंदी दिवस मनाया गया और हिंदी पखवाड़े का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर निदेशक डॉ. जे.एस.मिश्र ने सभी कर्मचारियों को राजभाषा प्रतिज्ञा दिलाई। उन्होंने सभी को हिंदी दिवस की बधाई देते हुए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरे वर्ष हिंदी में अधिक से अधिक कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हिंदी का देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी व्यापक प्रचार–प्रसार हो रहा है। डॉ. पी. के. सिंह ने भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी और माननीय सचिव, डेयर और भा.कृ.अनु.प. के महानिदेशक द्वारा भेजे गए संदेशों को पढ़कर सुनाया। उन्होंने अपने संबोधन में हिन्दी पखवाड़े के दौरान आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी और उन्हें सभी प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ योगिता घरडे ने किया।

हिंदी पखवाडा

खरपतवार अनुसंधान निदेशालय में 14–29 सितंबर 2022 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। हिंदी पखवाड़े के दौरान आलेखन एवं टिप्पण, तात्कालिक निबंध लेखन , हिन्दी शुद्धलेखन, कम्प्यूटर में यूनिकोड पर टाइपिंग , आशुभाषण (तात्कालिक भाषण), क्विज कांटेस्ट एवं वाद–विवाद प्रतियोगिताएं का आयोजन किया गया। समापन समारोह में नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर के कुलपति डॉ. एसपी तिवारी मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि दुनिया का कोई भी देश अपनी भाषा की अनदेखी कर के प्रगति नहीं कर सकता है। हिंदी सदियों से हमारी संचार भाषा रही है, और पूरी दुनिया हमारी भाषा की ओर आकर्षित है। डॉ. तिवारी ने कहा कि यह एक शोध संस्थान है, सभी वैज्ञानिक और अधिकारी अपनी–अपनी विशेषताओं के आधार पर काम कर रहे हैं, लेकिन फिर भी हिंदी के काम या हिंदी को बढ़ावा देने में सभी की बहुत रुचि है, यह एक सराहनीय कदम है।

डॉ. जेएस मिश्र ने कहा कि हिंदी सभी भाषाओं की बहन है, इसमें सभी भाषाओं को एकीकृत करने की अपार शक्ति है। हिंदी बोलते समय हमें गर्व महसूस करना चाहिए। इस अवसर पर राजभाषा क्रियान्वयन समिति के प्रभारी श्री बसंत मिश्रा ने सभी अधिकारियों/कर्मचारियों का स्वागत किया। प्रोत्साहन योजना के तहत निदेशालय के वर्ष भर में 20,000 शब्दों से अधिक हिन्दी लिखने वाले अधिकारियों कर्मचारियों को वरीयता क्रम के आधार पर प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार नगद एवं प्रतियागिताओ के विजेताओ को निदेशक एवं अतिथियों के कर कमलों से प्रदान किये गये। निदेशालय द्वारा प्रकाशित पत्रिका ''तृण संदेश'', ''वार्षिक रिर्पोट'' एवं ''निदेशालय की महत्वपूर्ण उपलब्धियॉं'' का विमोचन भी किया गया।

Hindi Diwas

Hindi Diwas was celebrated and Hindi Pakhwada was inaugurated in the Directorate on 14th September, 2022. On this occasion, Dr. JS Mishra, Director, administered the official language pledge along with all the employees. While congratulating everyone on Hindi Diwas, he motivated all the officers and employees to do more and more work in Hindi throughout the year. He said that Hindi is being widely promoted not only in the country but also in foreign countries. Dr. P.K. Singh read out the messages sent by Hon'ble Shri Kailash Chaudhary, Minister of State for Agriculture and Farmers Welfare, Government of India, and Hon'ble Secretary DARE & Director General of ICAR. In his address, he gave detailed information about the various competitions to be organized during the Hindi Pakhwada and encouraged them to participate in maximum numbers in all the competitions. The program was coordinated by Dr. Yogita Gharde.

Hindi Pakhwada

Hindi Pakhwada was organized from 14-29 September 2022 in the DWR. Competitions viz., drafting and noting, improvised essay writing, Hindi proofreading, typing on Unicode in computer, Ashubhasan (improvised speech), quiz contest and debate were organized during the the Hindi Pakhwada. Dr. S.P. Tiwari, Vice Chancellor, Nanaji Deshmukh Veterinary Science University Jabalpur was the Chief Guest in the closing ceremony. He said that no country in the world can progress by ignoring its language. Language has amazing power, it connects us to each other, and language is a medium of expression of society, culture, history, nation's identity and its future goals. Hindi has been our communication language for centuries, the whole world is attracted towards our language. Dr. Tiwari said that this is a research institute, all the scientists and officers are working on the basis of their respective specialities, but still everyone has great interest in the work of Hindi or promoting Hindi, this is a commendable step.

Dr. J.S. Mishra said that Hindi is the sister of all languages, it has immense power to integrate all languages. We should feel proud while speaking Hindi. On this occasion, Mr. Basant Mishra, in-charge of the Official Language Implementation Committee, welcomed all the officers/employees. Under the incentive scheme, first, second, third prizes were given to the officers and employees who wrote more than 20,000 words in Hindi during the year. The Hindi magazine "Trin Sandesh", "Annual Report" and "Significant Achievements" published by the Directorate were also released.

प्रधानमंत्री किसान सम्मान सम्मेलन

भा.कृ.अनु.प.–खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर ने माननीय प्रधानमंत्री के वर्चुअल टेलीकास्ट को सुनने के लिए 17 अक्टूबर 2022 को किसान सम्मेलन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में जबलपुर के 17 गांवों के 250 से अधिक किसानों ने भाग लिया। श्री राकेश सिंह, माननीय सांसद, जबलपुर मुख्य अतिथि थे। श्री राकेश सिंह, माननीय सांसद, जबलपुर मुख्य अतिथि थे। मुख्य अतिथि ने किसानों को संबोधित करते हुए भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया, जिनसे किसान लाभान्वित हो रहे हैं। इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा किसान सम्मान निधि की 12वीं किस्त सीधे किसानों के बैंक खातों में स्थान्तरित की गई। निदेशालय के निदेशक डॉ. जे.एस. मिश्र ने निदेशालय द्वारा किए जा रहे अनुसंधान कार्यों, खरपतवार प्रबंधन में उभरती चुनौतियों और उनके समाधानों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का संयोजन डॉ पीके सिंह, प्रधान वैज्ञानिक ने किया, जिन्होंने मुख्य अतिथि और किसानों का स्वागत किया और कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. वीके चौधरी द्वारा किया गया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह एवं एकता प्रतिज्ञा

सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन 31 अक्टूबर से 06 नवंबर, 2022 तक किया गया। इस सप्ताह के दौरान, निदेशक द्वारा सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई। उन्होंने बताया कि निदेशालय में भ्रष्टाचार के मामले नगण्य हैं और अधिकारियों और कर्मचारियों से भी आग्रह किया कि वे अपने काम को इसी ईमानदारी से प्रतिपादित करें, जिससे संस्थान की प्रतिष्ठा बढ़े और हम सब मिलकर देश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने में सक्षम होंगे। इस जागरूकता सप्ताह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं और व्याख्यानों का आयोजन किया गया।

समापन कार्यक्रम में प्रधान वैज्ञानिक, डॉ. पीके सिंह ने कहा कि सरकारी कार्य समय पर और पारदर्शी तरीके से होने चाहिए, इससे स्वस्थ परंपरा का पालन करते हुए राष्ट्र की प्रगति में बहुत योगदान मिलेगा, तथा अधिकारियों और कर्मचारियों से ईमानदारी से अपना कार्य करने का आग्रह किया। सतर्कता अधिकारी, डॉ वीके चौधरी ने सतर्कता पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने भ्रष्टाचार के विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा करते हुए अधिकारियों और कर्मचारियों से देश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने की अपील की। इस सप्ताह के दौरान, विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और पुरस्कार वितरित किए गए। प्रशासनिक अधिकारी, श्री आर. हाडगे ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

PM Kisan Samman Sammelan

The ICAR-Directorate of Weed Research, Jabalpur organized Kisan Sammelan on 17 October 2022, in order to listen the virtual telecast of Hon'ble Prime Minister. In this programme more than 250 farmers from 17 villages of Jabalpur participated. Shri Rakesh Singh, Hon'ble Member of Parliament, Jabalpur was the Chief Guest. The Chief Guest while addressing the farmers, explained in detail about the various schemes being run by the Government of India, which are benefiting the farmers. On this occasion, the 12th installment of Kisan Samman Nidhi was directly transferred to the bank accounts of the farmers by Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi Ji. Dr. J.S. Mishra, Director briefed about the research work being done by this Directorate, emerging challenges in weed management and their solutions. The program was coordinated by Dr. P.K. Singh, Principal Scientist, who welcomed the Chief Guest and the farmers, and informed about the program. The vote of thanks was proposed by Dr. V.K. Choudhary, Sr. Scientist.

Vigilance Awareness Week and unity pledge

Vigilance Awareness Week was organized from 31st October to 06th November, 2022. During this week, the Integrity Pledge was administered by the Director. He told that the cases of corruption in the Directorate are negligible and also urged the officers and employees to render their work with the same honesty, which will increase the prestige of the Institute and together we will be able to make the country corruption free. Various competitions and lectures were organized during this awareness week.

In the concluding program Dr. P. K. Singh, Principal Scientist said that the government work should be done in a timely and transparent manner, this would contribute a lot to the progress of the nation by following a healthy tradition, urged the officers and employees to render their work honestly. Dr. V. K. Choudhary, Vigilance Officer presented a lecture on Vigilance. Discussing in detail the various dimensions of corruption, he appealed to the officers and employees to make the country corruption free. During this week, various competitions were organized and prizes were distributed. Sh. R. Hadge, Administrative Officer coordinated the programme.

फार्मर–फर्स्ट परियोजना के अंतर्गत 'प्रक्षेत्र दिवस' का आयोजन

भा.कृ.अनु.प.–खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर में चल रही फार्मर फर्स्ट परियोजनांतर्गत चयनित ग्राम बरौदा में दिनांक 10 नवम्बर 2022 को प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। डॉ. पी.के. मुखर्जी द्वारा परियोजना के विभिन्न आयामों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. व्ही के चौधरी ने गंगा संकर धान एवं साईहेलोफॉप ब्यूटाइल 5.1% + पेनाक्स्सूलम 1.02% (विवाया) खरपतवारनाशी के परिणामों के विषय में चर्चा की।

डॉ. दसारी श्रीकांत ने बताया कि खेतों एवं घर के आस–पास खाली पड़ी जमीन पर सब्जी उत्पादन कर आय के अतिरिक्त स्त्रोत बना सकते है। श्री. जमालुद्दीन ए. ने फसल उत्पादन में होने वाले व्ययों को कम करने के संबंध में जानकारी दी। इस कार्यक्रम से ग्राम बरौदा के कुल 45 किसान लाभान्वित हुए।

उत्पादक सामग्री विक्रेता और आपूर्तिकर्ताओं का दौरा

तेंदूखेड़ा, करेली और सिहोरा ब्लॉक, नरसिंहपुर जिला, मध्य प्रदेश से कुल 35 "उत्पादक सामग्री विक्रेता और आपूर्तिकर्ता", जो कीटनाशकों, उर्वरकों और कृषि मशीनरी की आपूर्ति और वितरण का काम कर रहे हैं, ने भाकृअनुप–खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर का 23 नवम्बर, 2022 को दौरा किया। भ्रमण का आयोजन डीएईएसआई कार्यक्रम के तहत किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग, नरसिंहपुर जिला (म.प्र.) द्वारा किया गया।

इंजी. चेतन, सी. आर., वैज्ञानिक ने निदेशालय में चल रही अनुसंधान गतिविधियों के बारे में जानकारी दी और निदेशालय में मौजूद विभिन्न सुविधाओं से अवगत कराया। उत्पादक सामग्री विक्रेता और आपूर्तिकर्ताओं को अनुसंधान क्षेत्रों, इंजीनियरिंग कार्यशाला, मशीनरी शेड, फेस सुविधा आदि में ले जाया गया, और संरक्षण और पारंपरिक कृषि पद्धतियों के तहत फसलों की खेती और खरपतवार प्रबंधन के बारे में बताया । उन्हें सुरक्षा पहलुओं और प्रभावी शाकनाशी अनुप्रयोग प्रणालियों के बारे में भी जानकारी दी गई।

डॉ. पी.के. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक ने विभिन्न खरपतवार प्रबंधन तकनीकों,विभिन्न फसलों के लिए शाकनाशियों की उपलब्धता, शाकनाशियों का प्रयोग करते समय बरती जाने वाली सावधानियां, आदि के बारे में जानकारी दी। बाद में, शाकनाशियों पर प्रतिबंध, उपलब्धता और खरपतवार प्रबंधन के अन्य पहलुओं के संबंध में संदेहों को स्पष्ट करने के लिए वार्तालाप सत्र का आयोजन किया गया।

'Field Day' under Farmer First Program

ICAR-Directorate of Weed Research, Jabalpur organized a field day on 10-11-2022 in the selected village Baroda under the ongoing Farmer First Project. Dr. P.K. Mukherjee presented detailed information about the various dimensions of the project. Dr. V.K. Choudhary discussed about the results of Ganga hybrid paddy and cyhalofop butyl 5.1% + penaxsulam 1.02% (Vivaya) herbicide distributed under the project.

Dr. Dasari Sreekanth told that by producing vegetables on the vacant land around the fields and houses, additional sources of income can be created. Mr. Jamaludheen A. gave detailed information regarding reducing the expenses in crop production. A total of 45 farmers of village Baroda benefited from this programme.

Visit of input dealers & suppliers

A total of 35 input dealers & suppliers from Tendukheda, Kareli and Sihora blocks, Narsinghpur district, Madhya Pradesh, who are dealing with supplying and distribution of pesticides, fertilizers and agricultural machineries visited the ICAR- Directorate of Weed Research, Jabalpur on 23 November, 2022. The visit was organized under DAESI programme, Farmer Welfare and Agriculture Development Department, Narsinghpur district (M.P.).

Er. Chethan, C.R., Scientist briefed about ongoing research activities at the Directorate and also showed the different facilities. Input dealers & suppliers were taken to the research fields, engineering workshop, machinery shed, FACE facility, etc, and were explained about crop cultivation and weed management practices under conservation and conventional agricultural practices. They were also briefed about the safety aspects and effective herbicide application systems.

Dr. P.K. Singh, Pr. Scientist, informed about various methods of weed management, availability of herbicides for different crops, precautionary measures to be taken while applying herbicides, etc. Later, an interaction session was also arranged to clarify the doubts with respect to herbicides ban, availability and other aspects of weed management.

विश्व मृदा दिवस

निदेशालय ने किसानों, विद्यालय के छात्रों और शिक्षकों को शामिल करते हुए 05 दिसंबर, 2022 को "मृदा: जहां भोजन शुरू होता है" विषय के तहत विश्व मृदा दिवस मनाया। शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय, गडर पिपरिया ग्राम, सहजपुर मोहल्ला, जबलपुर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में निदेशालय के वैज्ञानिकों और तकनीकी अधिकारियों सहित लगभग 150 लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों और छात्रों के बीच पारिस्थितिक तंत्र, खाद्य सुरक्षा और मानव स्वास्थ्य के लिए स्वस्थ मिट्टी के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम की शुरुआत एफएओ वीडियो क्लिप के साथ हुई जिसमें स्वस्थ मिट्टी के महत्व पर प्रकाश डाला गया। खरपतवार अनुसंधान निदेशालय के निदेशक डॉ. जे.एस. मिश्र ने अपने संबोधन में कहा कि मिट्टी एक जीवित शरीर है और बढ़ती आबादी को खिलाने के लिए इसके स्वास्थ्य की देखभाल करना हमारा परम कर्तव्य है। उन्होंने उल्लेख किया कि स्वस्थ मिट्टी से ही स्वस्थ पर्यावरण और समृद्ध समाज का निर्माण संभव है और उन्होंने संतुलित उर्वरीकरण अपनाने, खरपतवार जैवभार और फसल अवशेषों का उपयोग खाद बनाने और कृषि रसायनों के विवेकपूर्ण उपयोग की अपील की।

इस अवसर पर, श्री. दिबाकर रॉय, वैज्ञानिक ने मिट्टी के निर्माण की प्रक्रिया और पौधों के विकास में मिट्टी के पोषक तत्वों की भूमिका के बारे में बताया। डॉ. हिमांशु महावर, वैज्ञानिक ने मिट्टी के सूक्ष्मजीवों और मिट्टी की पोषक उपलब्धता के सुधार में जैव उर्वरकों की भूमिका के बारे में जानकारी साझा की। डॉ. के. के. बर्मन, प्रधान वैज्ञानिक ने पौधों के पोषक तत्व प्रबंधन के सिद्धांतों, मिट्टी के सुधार के लिए क्या करें और क्या न करें, मिट्टी के स्वास्थ्य पर फसल के अवशेषों को जलाने के नकारात्मक प्रभावों आदि के बारे में बात की। डॉ. वी. के. चौधरी, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने संरक्षण कृषि पद्धतियों के आर्थिक और अन्य सामाजिक लाभों पर प्रकाश डाला। डॉ. पी.के. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक ने कृषि रसायनों के दुरुपयोग और फसल अवशेषों को जलाने से होने वाले पर्यावर्णीय प्रदूषण के बारे में जानकारी दी और किसानों को मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार करने वाली खेती के तरीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

World Soil Day

The Directorate celebrated World Soil Day on December 05, 2022 under the theme "Soil: Where Food Begins" involving farmers, school students and teachers. The program was organized in the Government Integrated Secondary School, Gadar Pipariya village, Sahajpur locality, Jabalpur. About 150 participants, including the scientists and technical officers of the Directorate, and students attended the program. The purpose of the program was to increase awareness among the farmers and students about the importance of healthy soil for ecosystems, food security and human health.

The program began with a FAO video clip highlighting the importance of healthy soil. In his address, Dr. J.S. Mishra, Director, DWR said that soil is a living body and it is our utmost duty to take care of its health to feed the ever-growing population. He mentioned that it is possible to have a healthy environment and prosperous society only through healthy soil, and appealed for adopting balanced fertilization, utilizing weed biomass and crop residues for making manure, and judicious use of agrochemicals.

On this occasion, Mr. Dibakar Roy, Scientist spoke about soil formation process and role soil nutrients in plant growth. Dr. Himanshu Mahawar, Scientist, talked about soil microorganisms and their role as biofertilizers in improving soil nutrient availability. Dr. K. K. Barman, Principal Scientist talked about the principles of nutrient management, do's & don'ts for sustenance and improvement of soil health, negative impacts of crop stubble burning on soil health, etc. Dr. V. K. Choudhary, Senior Scientist highlighted the economic and other societal benefit of conservation agriculture practices. Dr. P. K. Singh, Principal Scientist provided information about the environmental pollution caused by the misuse of agrochemicals and burning of crop residues, and encouraged the farmers to adopt the farming methods that help to improve soil health.

अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षणार्थियों के लिए व्याख्यान–सह–प्रक्षेत्र का दौरा

भा.कृ.अनु.प.–खरपतवार अनुसंधान निदेशालय में दिनांक 15 दिसम्बर, 2022 को बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया संस्थान के द्वारा भारत, नेपाल और बांग्लादेश के प्रशिक्षणार्थियों के लिए आयोजित 21 दिवसीय प्रशिक्षण के अंतर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं प्रक्षेत्र भ्रमण का आयोजन किया गया। निदेशक, भा.कृ.अनु.प. –खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर डॉ. जे.एस. मिश्र ने विशेष रूप से संरक्षित खेती प्रणाली के तहत विभिन्न फसलों एवं फसल प्रणालियों में खरपतवार प्रबंधन पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। डॉ. पी. के. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक ने प्रशिक्षणार्थीयो को निदेशालय द्वारा किसानो के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया । प्रक्षेत्र भ्रमण का समन्वयन डॉ. वी.के. चौधरी, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने किया।

आनंद कृषि विश्वविद्यालय में तीसरा अंतर्राष्ट्रीय खरपतवार सम्मेलन

भारतीय खरपतवार विज्ञान सोसायटी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर और आनंद कृषि विश्वविद्यालय, आनंद, गुजरात ने संयुक्त रूप से 20–23 दिसम्बर, 2022 के दौरान आनंद कृषि विश्वविद्यालय में "खरपतवार की समस्याएं और प्रबंधन चुनौतियां: भविष्य के परिप्रेक्ष्य" पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय खरपतवार सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन में देश और दुनिया भर से लगभग 500 प्रतिनिधियों ने भाग लिया । उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता डॉ. के. बी. कथीरिया, माननीय कुलपति, आनंद कृषि विश्वविद्यालय ने की । डॉ. हिमांशु पाठक, सचिव, कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग, भारत सरकार और महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन सत्र की शोभा बढ़ाई। डॉ. एस के चौधरी, उप महानिदेशक (प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, डॉ. समुंदर सिंह, अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान सोसायटी, अमेरिका और प्रो. योशीहारु फूजी, टोक्यो यूनिवर्सिटी ऑफ़ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, टोक्यो, जापान ने भी सम्मानित अतिथि के रूप में उद्घाटन सत्र की शोभा बढ़ाई । डॉ जे एस मिश्र, सचिव, भारतीय खरपतवार विज्ञान सोसायटी और निदेशक, खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया।

भारतीय खरपतवार विज्ञान सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. सुशील कुमार ने भी सत्र के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित किया । उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने

Lecture - cum - field visit for international trainees

Under the 21-day training programme organized by the Borlaug Institute for South Asia, one-day training and field visit was organized at ICAR- Directorate of Weed Research on 15th December, 2022 for the trainees from India, Nepal and Bangladesh participated in this training. The Director, ICAR-DWR, Jabalpur, Dr. J.S. Mishra presented detailed information on weed management in different crops and cropping systems, especially under CA system. Dr. P.K. Singh, Pr. Scientist discussed about the various schemes and projects being run by the Directorate for the farmers. The field visit was coordinated by Dr. V.K. Choudhary, Sr. Scientist.

3rd International Weed Conference at AAU Anand

The Indian Society of Weed Science, Indian Council of Agricultural Research, Directorate of Weed Research, Jabalpur and Anand Agricultural University, Anand, Gujarat jointly organized the 3rd International Weed Conference on "Weed Problems and Management Challenges: Future Perspectives" at AAU Campus during December 20-23, 2022. More than 500 delegates across the country and the globe attended this conference. Dr. Himanshu Pathak, Secretary, DARE, and Director General, ICAR, graced the inaugural session as the Chief Guest. Dr S.K. Chaudhari, Deputy Director General (Natural Resources Management), ICAR, Dr. Samunder Singh, President, International Weed Science Society, USA and Prof. Yoshiharu FUJII, Tokyo University of Agriculture and Technology, Tokyo, Japan also graced the inaugural session as Guests of Honour. Dr. J.S. Mishra, Secretary, Indian Society of Weed Science and Director, Directorate of Weed Research, Jabalpur welcomed the delegates. Dr. Sushil Kumar, President of ISWS also addressed the audience during the session. In the inaugural programme, the Chief Guest highlighted the importance of weed management in crops and cropping systems and the impact of climate change on weed dynamics. There is a need to incorporate traditional knowledge and wisdom in developing modern tools and

फसलों और फसल प्रणाली में खरपतवार प्रबंधन एवं खरपतवारों की गतिकी पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर भी प्रकाश डाला। खरपतवार प्रबंधन में आधुनिक उपकरणों और तकनीकों को विकसित करने में पारंपरिक ज्ञान और ज्ञान को शामिल करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि खरपतवार विज्ञान अनुसंधान में अधिक सार्वजनिक और निजी सहयोग की आवश्यकता है। इसके अलावा, डॉ. एस. के. चौधरी ने फसल उत्पादन पर खरपतवारों के प्रभाव, लगभग 11 अरब अमेरिकी डॉलर की उपज हानि, शाकनाशी प्रतिरोध, कीटनाशक अवशेषों, जैविक और प्राकृतिक खेती और संरक्षण कृषि में खरपतवार वनस्पतियों के बदलाव पर प्रकाश डाला। डॉ. के. बी. कथीरिया, माननीय कुलपति, आनंद कृषि विश्वविद्यालय, आनंद ने समारोह की अध्यक्षता की। उन्होंने खरपतवार विज्ञान से संबंधित मुद्दों, आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों के फायदे और उनकी सीमाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने पारिस्थितिक तंत्र सेवाओं, खरपतवार प्रतिस्पर्धात्मकता और आक्रमण, और जैविक तनावों के प्रतिस्पर्धी के लिए फसलों के वंश–सुधार का समर्थन करने के लिए स्थायी तरीके से एक स्वास्थ्य पर काम करने का भी सुझाव दिया । सत्र के दौरान कई खरपतवार वैज्ञानिकों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित भी किया गया । इस अवसर पर खरपतवार प्रबंधन पर तीन प्रकाशन भी जारी किए गए । सम्मेलन के चार दिनों के दौरान कुल 12 तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिसमें वैज्ञानिकों, प्रोफेसरों, शोधकर्ताओं, छात्रों, शाकनाशियों के उत्पादकों और अन्य हितधारकों ने विभिन्न उप–विषयों के तहत अपने विचार साझा किए । इसके अलावा, इस सम्मेलन में कुछ ठोस सिफारिशें भी सामने आईं जो नीति निर्माताओं, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और किसानों के लिए उपयोगी होंगी ।

techniques in weed management. More public and private collaboration is required in weed science research, he added. Further, Dr. S.K. Chaudhari highlighted the impact of weeds on crop production, losing yield loss of around 11 billion US$, issues of herbicide resistance, pesticide residues, weed flora shift in organic, and natural farming and conservation agriculture. Dr. K.B. Kathiria, Hon'ble Vice Chancellor, AAU, Anand presided over the function. He highlighted the issues related to weed science, introduction of genetically modified crops and their advantages and limitations. Dr. T. Mohapatra, President, NAAS and former Secretary, DARE, and Director General, ICAR, in his keynote address, highlighted the problems in agriculture in general and weed management in particular. He also suggested to work on one health in sustainable manner to support ecosystem services, weed competitiveness and invasiveness, and breeding crops for competitive to biotic stresses. During the session, many weed scientists were also awarded for their outstanding contributions. Three publications on weed management were also released on the occasion. A total of 12 technical sessions were conducted during four days of the conference in which scientists, students, representatives from the herbicide industry and other stakeholders shared their views under various sub-themes. This conference created the platform to translate new technologies into durable weed management solutions. Besides, this conference also came up with some concrete recommendations that will be useful for policymakers, scientists, researchers, students and farmers.

किसान दिवस

निदेशालय द्वारा 23 दिसम्बर 2022 को पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के जन्म दिवस के अवसर पर 'किसान दिवस' मनाया गया । इस कार्यक्रम में करीब 100 किसानों ने भाग लिया । किसानों को खरपतवार प्रबंधन तकनीकों और अन्य कृषि–उद्यमों से अवगत कराया गया ताकि वे अपनी कृषि उत्पादकता और आय बढ़ा सकें। इस अवसर पर ग्राम उर्दूवा पनागर के प्रगतिशील किसान श्री. जगन पटेल को कृषि में नवाचार के लिए सम्मानित किया गया।

Kisan Diwas

On the occasion of the birthday of former Prime Minister Chaudhary Charan Singh, the Directorate celebrated 'Kisan Diwas' on December 23, 2022. 100 farmers participated in this program. Farmers were made aware of the weed management technologies and other agri-interprises so that they can increase their farm productivity and income. On this occasion, Mr. Jagan Patel, a progressive farmer of village Urdua, Panagar, was honored for his innovation in agriculture.

"भारतीय कृषि में आत्मनिर्भरता और स्थिरता के लिए चुनौतियां और अवसर" विषय पर व्याख्यान

डॉ. पी.के. घोष, संस्थापक निदेशक और कुलपति भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान, रायपुर ने 29 दिसम्बर, 2022 को भा.कृ.अनु.प.–खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर के कर्मचारियों को संबोधित किया। उन्होंने "भारतीय कृषि की चुनौतियाँ और उनसे निपटने के तरीके" के विषय पर एक विस्तृत उदबोधन दिया। डॉ. घोष ने वर्ष 2030 तक शांति और समृद्ध जीवन सुनिश्चित करने में भारतीय कृषि की भूमिका और वर्ष 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन की दिशा में प्रतिबद्धता और प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने उभरती चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला और आगे का रास्ता सुझाया। डॉ. घोष ने अनुसंधान प्रक्षेत्र का दौरा किया और विभिन्न अनुसंधान कार्यक्रमों पर चर्चा की और निदेशालय द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों की सराहना की। इससे पहले, निदेशक, डॉ. जे.एस. मिश्र ने अतिथि का स्वागत किया और निदेशालय तथा निदेशालय में चल रहें विभिन्न अनुसंधान कार्यों के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया। कार्यक्रम में सभी वैज्ञानिकों, तकनीकी अधिकारियों, शोध सहायकों और छात्रों ने भाग लिया।

Lecture on "Challanges and opportunity for self-Reliance and sustainability in Indian Agriculture"

Dr. P.K. Ghosh, Founder Director and Vice-Chancellor of ICAR- National Institute of Biotic Stress Management, Raipur, addressed on the ICAR-DWR, Jabalpur staff on 29 December, 2022. He gave a detailed presentation on "Challenges of Indian agriculture and ways to deal with them". Dr. Ghosh informed about the role of Indian agriculture in ensuring peace and prosperous life by the year 2030 and the commitment and efforts towards zero carbon emission by the year 2070. He also highlighted the emerging challenges and suggested the way forward. Dr. Ghosh also visited the field and discussed the various research programs and appreciated the research being done by the Directorate. Earlier Dr. J.S. Mishra Director, welcomed the Guest and gave a brief introduction about the Directorate and various research programmes. All the scientists, technical officers, research assistants and students attended the programme.

स्वच्छता पखवाडा

भा.कृ.अ.नु.प.–खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर ने 16 दिसम्बर से 31 दिसंबर, 2022 तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया। पखवाड़े के दौरान लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न स्थानों पर स्वच्छता के कार्यक्रम आयोजित किए गए। समापन समारोह के दौरान निदेशक, डॉ. जे.एस. मिश्र ने अपने उद्‌बोधन में बताया कि खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने के लिए किसानों को तकनीकी ज्ञान के साथ संरक्षित खेती अपनानी चाहिए और खरपतवार तथा फसल अवशेषों से मिट्टी में खाद बनाने की विधि का प्रयोग करना चाहिए। डॉ. के के बर्मन, प्रधान वैज्ञानिक ने कहा कि स्वच्छता की आदत से ही स्वस्थ समाज का निर्माण हो सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि स्वच्छता में बाधा डालने वाले उत्पादों से होने वाले नुकसान से समाज को मुक्त करने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक है। स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान कार्यक्रमों का संचालन प्रशासनिक अधिकारी, श्री. आर. हाडगे ने किया।

Swachhta Pakhwada

The ICAR-Directorate of Weed Research, Jabalpur organized Swachhta Pakhwada from December 16 to December 31, 2022. During the pakhawada, various types of cleanliness programs were organized at different places to make people aware about Swachhta. During the closing ceremony Dr. J.S. Mishra, Director, in his speech told that in order to increase the production of food grains, farmers should adopt protected farming with technical knowledge and use the method of making manure from the weeds and crop residues in the soil. Dr. KK Barman, Principal Scientist said in that only the habit of cleanliness can create a healthy society. He also told that collective effort is necessary to free society from the harm caused by products that hinder hygiene. The Administrative Officer, Mr. R. Hadge, coordinated the programmes during the Swachhta Pakhwada.

समीक्षा बैठक / Review Meeting

संस्थान प्रबंधन समिति की बैठक

संस्थान प्रबंधन समिति की 30वीं बैठक दिनांक 04 नवम्बर 2022 को निदेशक, डॉ. जे.एस. मिश्र की अध्यक्षता में खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। बैठक में भाग लेने वाले संस्थान प्रबंधन समिति सदस्यः डॉ. सूर्यनारायण भास्कर, सहायक महानिदेशक, भा.कृ.अ.नु.प., नई दिल्ली; डॉ. जी. रवींद्रचारी, हैदराबाद; डॉ. ए.के. विश्वास, भोपाल; डॉ. सुनील कुमार, झांसी; डॉ. अनिल दीक्षित, रायपुर; डॉ. डी. के . पहलवान; जबलपुर और दो प्रगतिशील किसान श्री कुलकीत राम चंद्र, सारंगगढ़ जिला रायगढ़, छत्तीसगढ़ और श्री ध्रुव कुमार नाइक, ग्राम सलैया, जिला कटनी उपस्थित थे । इस अवसर पर निदेशक, डॉ. जे. एस. मिश्र ने संस्थान प्रबंधन समिति सदस्यों एवं अन्य सहयोगियों का स्वागत करते हुए संस्थान की विगत वर्ष की उपलब्धियों को प्रस्तुत किया।

समिति द्वारा विभिन्न प्रशासनिक, प्रबंधन और बजट संबंधी कार्यसूचीयों पर विस्तार से चर्चा की और अनुमति एवं सुझाव दिए, ताकि आने वाले दिनों में कृषि उत्पादन और किसानों की आय बढ़ाने के लिए सस्ती, प्रभावी और सरल तकनीक उपलब्ध कराई जा सके। प्रशासनिक अधिकारी एवं सदस्य सचिव, श्री. राजेंद्र हाडगे ने पिछली बैठक के कार्यवृत्त पर की गई कार्रवाई एवं भविष्य में किए जाने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

इस अवसर पर श्री कुलकीत राम चन्द्र एवं श्री ध्रुव कुमार नाईक ने अपने क्षेत्र में कृषि से संबंधित समस्याओं को साझा किया, जिस पर बैठक में उपस्थित वैज्ञानिकों ने उचित वैज्ञानिक एवं तकनीकी निदान बताया। अंत में समिति ने सूचना केन्द्र सह संग्रहालय, प्रयोगशालाओं एवं प्रक्षेत्र भ्रमण किया तथा उत्साहजनक परिणाम को देखकर प्रसन्न हुए तथा कुछ महत्वपूर्ण सुझाव भी दिये। धन्यवाद प्रस्ताव वित्त एवं लेखा अधिकारी, श्री. राजीव कुलश्रेष्ठ, द्वारा प्रस्तुत किया गया।

XXX IMC Meeting

The 30th IMC meeting was successfully organized on 04.11.2022 at the DWR, Jabalpur under the chairmanship of Dr. JS Mishra, Director. The IMC members that attended the meeting were: Dr. Suryanarayan Bhaskar, Assistant Director General, ICAR New Delhi; Dr. G. Ravindrachari, Hyderabad; Dr. A.K. Bishwas, Bhopal; Dr. Sunil Kumar, Jhansi; Dr. Anil Dixit, Raipur; Dr. D . K . Pehalwan, Jabalpur and two progressive farmers namely Mr. Kulkit Ram Chandra, Sarngarh District Raigarh, Chhattisgarh and Mr. Dhruv Kumar Naik, Village Salaiya, District Katni. On this occasion, Director, Dr. J.S. Mishra welcomed the IMC members and other colleagues, and presented the achievements of the Institute in the last year.

Various administrative, management and Budget related agendas were discussed in detail and permission and suggestions were given by the committee, so that cheap, effective and simple techniques can be made available to increase agricultural production and farmers' income in days to come. AO & Member Secretary, Mr. Rajendra Hadge presented the action taken on the minutes of the previous meeting and the outline of the programs to be done in the future.

Mr. Kulkit Ram Chandra, and Mr. Dhunv Kumar Naik shared the problems related to agriculture in their areas, on which the scientists present in the meeting told proper scientific and technical diagnosis. In the end, the committee also visited the information center cum museum, laboratories and fields and was happy to see the encouraging results and some important suggestions were also given. The vote of thanks was proposed by Finance and Accounts Officer, Mr. Rajeev Kulshrestha.

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की गतिविधियां / Activities of Rajbhasha Karyanvayan Samiti

हिंदी कार्यशाला

- दिनांक 13 जुलाई, 2022 को निदेशालय द्वारा एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन "आजादी के 75 वर्ष और सरकारी कामकाज में राजभाषा का महत्व" विषय पर निदेशालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु किया गया। जिसके वक्ता श्री शोभन चौधुरी, अपर महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर रहे।
- दिनांक 22 सितम्बर, 2022 को एक दिवसीय

Hindi Workshop

- ICAR-DWR, Jabalpur organize one day training cum workshop on "*Azadi ke 75 varsh aur sarkari kamkaj me Rajbhasha ka mahatva*" in gracious presence of Shri Shobhan Choudhury, Additional General Manager, West-Central Railway, Jabalpur.
- ICAR-DWR, Jabalpur organize one day workshop on "*Karyalayeen karya me*

हिन्दी कार्यशाला का आयोजन "कार्यालयीन कार्य में कार्यक्षमता वृद्धि हेतु हिन्दी प्रतियोगिताओं का महत्व" विषय पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियो हेतु किया गया। जिसके वक्ता श्री मनोज कुमार, मुख्य तकनीकी अधिकारी, राजभाषा प्रकोष्ठ, नई दिल्ली रहे।

- दिनांक 23 दिसम्बर, 2022 निदेशालय द्वारा समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला "कृषि कार्य में उन्नत तकनीकी का उपयोग" विषय पर किया गया जिसके वक्ता श्री आर.एस. उपाध्याय, मुख्य तकनीकी अधिकारी रहे।

karyakshamta vridhhi hetu Hindi Pratiyogitaon ka mahatva" and Shri Manoj Kumar, Chief Technical Officer, Rajbhasha Section, New Delhi delivered a lecture on 22 September 2022.

- ICAR-DWR, Jabalpur organize one day workshop on "*Krishi karya me unnat takniki ka upyog*" for the staff of Directorate, where Shri R.S. Upadhyay, Chief Technical Officer, ICAR-DWR delivered a lecture on 23 December 2022.

त्रैमासिक हिंदी बैठक

- जुलाई से सितम्बर, 2022 की तिमाही में दिनांक 31सितम्बर 2022 को तिमाही बैठक का आयोजन किया गया।
- अक्टूबर से दिसम्बर, 2022 की तिमाही में दिनांक 31दिसम्बर 2022 को तिमाही बैठक का आयोजन किया गया।

हिंदी पुरस्कार

- दिनांक 16 दिसम्बर, 2022 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति कार्यालय क्रं. 02, जबलपुर द्वारा वर्ष 2021 के दौरान सरकारी कामकाज में राजभाषा के उल्लेखनीय एवं सराहनीय प्रचार प्रसार हेतु प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

Quarterly Hindi Meetings

- Quarterly meeting for the period July-September 2022 was organized on 31 September 2022.
- Quarterly meeting for the period October –December 2022 was organized on 31 October 2022.

Hindi Award

- NARAKAS Zone No. 2, Jabalpur has provided appreciation letter on 16 December 2022 for Official work in Rajbhasha and its canvassing and dissemination

विशिष्ट आगंतुक / Distinguished visitors

- श्री जी.पी. शर्मा, निदेशक (वित्त), भा.कृ.अनु.प. नई दिल्ली (2 जुलाई 2022)
- श्री शोभन चौधरी, अतिरिक्त महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर (13 जुलाई 2022)
- श्री राजरंजन श्रीवास्तव, सचिव, नराकास, जबलपुर (13 जुलाई 2022)
- डॉ एस.पी. तिवारी, कुलपति, नानाजी देशमुख पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (29 सितम्बर 2022)
- श्री राकेश सिंह, सांसद लोकसभा, जबलपुर (17 अक्टूबर 2022)
- डॉ. पी. के. घोष, संस्थापक निदेशक और कुलपति, राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान, रायपुर (29 दिसम्बर 2022)

- Shri G.P. Sharma, Director (Finance), ICAR New Delhi on 2 July, 2022
- Mr. Shobhan Chaudhuri, Additional General Manager, West Central Railway Jabalpur on 13 July, 2022
- Mr. Rajaranjan Srivastava Secretary, Narakas on 13 July 2022
- Dr. S.P. Tiwari, Vice Chancellor, Nanaji Deshmukh Animal Science University Jabalpur on 29 September, 2022
- Mr. Rakesh Singh MP Lok Sabha Jabalpur on 17 October, 2022
- Dr. P.K. Ghosh, Founder Director and Vice Chancellor, National Institute of Biotic Stress Management, Raipur on 29 December 2022.

मानव संसाधन विकास / Human Resource Development

सेमिनार, सम्मेलनों और कार्यशालाओं में भागीदारी

सम्मेलन

- तीसरा अंतर्राष्ट्रीय खरपतवार सम्मेलन (20–23 दिसंबर, 2022)

कार्यशाला

- कृ.वि.के. की 29 वीं क्षेत्रीय कार्यशाला (ऑनलाइन) (11 नवम्बर , 2022)

प्रशिक्षण में भागीदारी

- डॉ. पी. के. सिंह, डॉ. दीपक वी. पवार, श्री जमालुद्दीन ए., श्रीमती इति राठी और डॉ. संतोष कुमार ने 1–5 अगस्त 2022 के दौरान बौद्धिक संपदा कार्यालय, भारत द्वारा आयोजित आईपीआर जागरूकता/प्रशिक्षण कार्यक्रम पर

Participation in seminars/ conferences/ workshops

Conference

- 3rd International Weed Conference (20-23 Dec., 2022)

Workshop

- 29th Zonal Workshop of KVK on 11 November 2022 (online).

Participation in Training

- Dr. P.K. Singh, Dr. Deepak V. Pawar, Mr. Jamaludheen A., Mrs Iti Rathi and Dr. Santosh Kumar attended online training programme on IPR awareness/training program

ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

- डॉ. वी. के. चौधरी ने 24–27 अगस्त 2022 के दौरान भा.कृ.अनु.प.– एनएएआरएम, हैदराबाद द्वारा आयोजित भा.कृ.अनु.प. संस्थानों के सतर्कता अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण सह कार्यशाला में भाग लिया।
- श्री. बी.पी.उरिया ने 15–19 नवम्बर 2022 के दौरान भा.कृ.अनु.प. – एनएएआरएम, हैदराबाद द्वारा आयोजित भा.कृ.अनु.प. संस्थानों के भा.कृ.अनु. प. – सीजेएससी सदस्य के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- डॉ हिमांशु महावर ने 23–30 नवंबर, 2022 के दौरान भा.कृ.अनु.प. – एनबीएआईएम, यूपी द्वारा आयोजित माइक्रोबियल विविधता विश्लेषणः रुझान और प्रगति में आणविक तकनीकों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रशिक्षण का आयोजन

- 29 अगस्त, 2022 को 40 प्रतिभागियों के लिए "उन्नत खरपतवार प्रबंधन प्रौद्योगिकियों" पर प्रशिक्षण सह एक्सपोजर यात्रा
- 01–03 सितंबर 2022 तक 130 किसानों के लिए "कृषि स्प्रेयर और मैकेनिकल वीडर की मरम्मत और रखरखाव" पर प्रशिक्षण
- 26–30 सितंबर, 2022 तक 15 वैज्ञानिकों के लिए "आक्रामक खरपतवार प्रबंधन" पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण
- 17 नवंबर, 2022 को 25 प्रतिभागियों के लिए "प्राकृतिक खेतीः चुनौतियां और अवसर" पर प्रशिक्षण
- 23 नवंबर, 2022 को 23 प्रतिभागियों के लिए "उन्नत खरपतवार प्रबंधन प्रौद्योगिकियों" पर प्रशिक्षण सह एक्सपोजर यात्रा
- 07–09 दिसंबर, 2022 तक 50 किसानों के लिए "दुधारू पशुओं की सामान्य बीमारी और उनके प्रबंधन" पर प्रशिक्षण

बैठक/व्याख्यान/सम्मेलन में भागीदारी

- 94वां भा.कृ.अनु.प. स्थापना दिवस और पुरस्कार समारोह (16 जुलाई, 2022)
- संस्थान अनुसंधान समिति की छोटी बैठक (5 अगस्त, 2022)
- एआईसीआरपी–डब्ल्यूएम की तिमाही समीक्षा बैठक (6–7 अक्टूबर, 2022)
- संस्थान प्रबंधन समिति की बैठक (4 नवंबर, 2022)
- डॉ. राजीव बहल द्वारा एक वार्ता सत्र (28 दिसंबर, 2022)
- डॉ. पी. के. घोष द्वारा भारतीय कृषि में आत्मनिर्भरता और स्थिरता के लिए नवाचार पर एक व्याख्यान (29 दिसंबर, 2022)

वैज्ञानिकों द्वारा प्रस्तुति में भागीदारी

- भा.कृ.अनु.प. के महानिदेशक द्वारा "भा.कृ.अनु.प. को पुनर्जीवित करनाः आकांक्षाएं और कार्य योजना" पर सचिव, डेयर और डीजी, भा.कृ.अनु.प. द्वारा प्रस्तुति (11 नवंबर, 2022)
- उप महानिदेशक (फसल विज्ञान) द्वारा भा.कृ.अनु.प. की गतिविधियों और आकांक्षाओं पर प्रस्तुति (14 नवंबर, 2022)
- उप महानिदेशक (कृषि इंजीनियरिंग) द्वारा भा.कृ.अनु.प. की गतिविधियों और आकांक्षाओं पर प्रस्तुति (17 नवंबर, 2022)
- उप महानिदेशक (शिक्षा) द्वारा भा.कृ.अनु.प. की गतिविधियों और आकांक्षाओं पर प्रस्तुति (25 नवंबर, 2022)
- उप महानिदेशक (प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन) द्वारा भा.कृ.अनु.प. की गतिविधियों और आकांक्षाओं पर प्रस्तुति (02 दिसंबर, 2022)
- उप महानिदेशक (बागवानी) द्वारा भा.कृ.अनु.प. की गतिविधियों और आकांक्षाओं पर प्रस्तुति (05 दिसंबर, 2022)
- उप महानिदेशक (मत्स्य विज्ञान) द्वारा भा.कृ.अनु.प. की गतिविधियों और आकांक्षाओं पर प्रस्तुति (13 दिसंबर, 2022)

organized by Intellectual Property Office, India during 1-5 August 2022

- Dr. V.K. Choudhary attended training cum workshop for Vigilance officers of ICAR Institutes organized by ICAR–NAARM, Hyderabad during 24-27 August 2022
- Mr. B.P.Uriya attended training programme on Capacity Building Programme for ICAR-CJSC Member of ICAR Institutes organized by ICAR-NAARM, Hyderabad during 15-19 November 2022
- Dr. Himanshu Mahawar attended training programme on Molecular Techniques in Microbial Diversity Analyses: Trends and Advances organized by ICAR-NBAIM, U.P during 23- 30 November, 2022

Training Organized

- Training cum Exposure visit on “Improved Weed Management Technologies” for 40 participants on 29 August, 2022
- Training on “Repair and maintenance of agricultural sprayers & mechanical weeders” for 130 farmers from 01-03 September 2022
- National training on “Invasive Weed management” for 15 Scientist from 26-30 September, 2022
- Training on “Natural Farming: Challenges and opportunities” for 25 participants on 17 November, 2022
- Training cum Exposure visit on “Improved Weed Management Technologies” for 23 participants 23 November, 2022
- Training on “Common disease of milch animals and their management” for 50 farmers from 07-09 December, 2022

Meeting /Lectures/Conference attended by Scientists

- 94th ICAR Foundation Day and Award Ceremony (16 July, 2022)
- Mini Institute Research Committee (5 August, 2022)
- Quarterly review meeting of AICRP –WM (6-7 October, 2022)
- Institute Management Committee Meeting (4 November 2022)
- A talk session by Dr. Rajiv Bahl (28 December, 2022)
- A lecture on Innovation for Self-Reliance and Sustainability in Indian Agriculture by Dr. P.K. Ghosh (29 December, 2022)

Presentation attended by Scientists

- Presentation by Secretary, DARE & DG, ICAR on "Revitalizing ICAR: Aspirations and Action Plan" by Director General, ICAR (11 November, 2022)
- Presentation on activities and aspirations of ICAR by DDG (Crop Science) (14 November, 2022)
- Presentation on activities and aspirations of ICAR by DDG (Agricultural Engineering) (17 November, 2022)
- Presentation on activities and aspirations of ICAR by DDG (Education) (25 November, 2022)
- Presentation on activities and aspirations of ICAR by DDG (Natural Resource Management) (02 December, 2022)
- Presentation on activities and aspirations of ICAR by DDG (Horticulture) (05 December, 2022)
- Presentation on activities and aspirations of ICAR by DDG (Fisheries Science) (13 December, 2022)

पुरस्कार एवं सम्मान/Awards and Recognitions

- भा.कृ.अनु.प.–खरपतवार अनुसंधान निदेशालय जबलपुर को वर्ष 2020–2021 के लिए प्रतिष्ठित राजर्षि टंडन राजभाषा पुरस्कार और वर्ष 2021 के लिए गणेश शंकर विद्यार्थी हिंदी मैग्जिन पुरस्कार मिला।
- डॉ. जे.एस. मिश्र और डॉ. वी.के. चौधरी को फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ इंडिया के श्री राम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- भा.कृ.अनु.प.–खरपतवार अनुसंधान निदेशालय जबलपुर को नाराकास जोन –2 जबलपुर द्वारा प्रशंसा प्रमाण पत्र मिला ।
- डॉ. पीयूष कांति मुखर्जी को आ.कृ.वि.वि., आणंद (गुजरात) में तीसरे अंतर्राष्ट्रीय खरपतवार सम्मेलन के दौरान आईएसडब्ल्यूएस–फेलो पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- इंजी चेतन सी आर को आ.कृ.वि.वि., आणंद (गुजरात) में तीसरे अंतर्राष्ट्रीय खरपतवार सम्मेलन के दौरान आईएसडब्ल्यूएस–टीवी मुनिअप्पा युवा वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- डॉ हिमांशु महावर को आ.कृ.वि.वि., आणंद (गुजरात) में तीसरे अंतर्राष्ट्रीय खरपतवार सम्मेलन के दौरान सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार मिला।
- डॉ. वी. के. चौधरी को आ.कृ.वि.वि., आणंद (गुजरात) में तीसरे अंतर्राष्ट्रीय खरपतवार सम्मेलन के दौरान सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार मिला।
- इंजी चेतन सी आर को 24 दिसंबर 2022 को आई आई टी खड़गपुर से पीएचडी की उपाधी प्राप्त हुई ।

- ICAR-DWR, Jabalpur received prestigious Rajarshi Tandon Rajbhasha Award 2020-21 and Ganesh Shanker Vidhyarthi Hindi Magzine Award for the year 2021.
- Dr. JS Mishra and Dr. VK Choudhary bestowed with Sri Ram Puraskar of the Fertilizer Association of India.
- ICAR-DWR, Jabalpur received Appreciation Certificate by NARAKAS Zone-2 Jabalpur.
- Dr. Pijush Kanti Mukherjee bestowed with ISWS-Fellow Award during 3rd International Weed Conference at AAU, Anand (Gujrat).
- Er. Chethan C.R. bestowed with ISWS-TV Munniappa, Young Scientist award during 3rd International Weed Conference at AAU, Anand (Gujrat).
- Dr. Himanshu Mahawar received Best Poster Award during 3rd International Weed Conference at AAU, Anand (Gujrat).
- Dr. V.K. Choudhary received Best Poster Award during 3rd International Weed Conference at AAU, Anand (Gujrat).
- Er. Chethan CR Awarded PhD degree from IIT Kharagpur on 24 December 2022

पदोन्नति

- श्री सबस्तिन दास, टी–4 को दिनांक 14 दिसम्बर 2022 को दिनांक 17 मई 2022 से टी–5 (ड्राइवर) में पदोन्नत किया गया।
- श्री टी. लखेरा, सहायक को दिनांक 22 अगस्त 2022 को दिनांक 22 अगस्त 2022 से सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में पदोन्नत किया गया।
- श्री फ्रांसिस जेवियर, यूडीसी को दिनांक 22 अगस्त 2022 को दिनांक 22 अगस्त 2022 से सहायक के रूप में पदोन्नत किया गया।

नियुक्ति

- श्री राजीव कुलश्रेष्ठ दिनांक 29 जून 2022 को वित्त और लेखा अधिकारी के रूप में पदभार ग्रहण किया।

सेवानिवृत्ति

- डॉ सुशील कुमार, प्रधान वैज्ञानिक (कीटशास्त्र) 31 दिसंबर 2022 को सेवानिवृत हुए।

Promotion

- Shri Sabastin Das promoted from T-4 to T-5 (Driver) w.e.f. 17 May 2022 on dated 14 December 2022
- Shri T. Lakhera promoted from Assistant to Assitant Administrative Officer w.e.f. 22 August 2022 on dated 22 August 2022
- Shri Francis Xavier promoted from UDC to Assitant w.e.f. 22 August 2022 on dated 22 August 2022.

Joining

- Shri Rajeev Kulshrestha joined as Finance and Account Officer on 29 June 2022

Supernuation

- Dr. Sushil Kumar, Prinipal Scientist (Entomology) Supernuation on 31 December 2022.

सम्पादकीय मण्डल:
डॉ. वी.के. चौधरी, इंजी चेतन सी.आर., डॉ. दीपक व्ही. पवार
डॉ. दासरी श्रीकांत, डॉ हिमांशु महावर एवं श्री संदीप धगट
प्रकाशक:
डॉ. जे.एस. मिश्र, निदेशक
भाकृअनुप-खरपतवार अनुसंधान निदेशालय
जबलपुर - 482004 (म.प्र.)

Editorial Team:
Dr. VK Choudhary, Er. Chethan C.R., Dr. Deepak V. Pawar
Dr. Dasari Sreekanth, Dr. Himanshu Mahawar and Mr. Sandeep Dhagat
Published by:
Dr. JS Mishra, Director
ICAR-Directorate of Weed Research
Jabalpur -482004 (M.P.)

फोन / Phones: +91-761-2353001, 23535101, 23535138, 2353934, फैक्स / Fax: +91-761-2353129
ई-मेल / Email: director.weed@icar.gov.in वेबसाइट / Website: http://dwr.icar.gov.in
फेसबुक लिंक / Facebook Link- https://www.facebook.com/ICAR-Directorate-of-Weed-Research-101266561775694
ट्विटर लिंक / Twitter Link- https://twitter.com/DwrIcar यूट्यूब लिंक / Youtube Link - https://www.youtube.com/channel/UC9WOjNoMOttJaIWdLfumMnA